

प्रेषक,

राकेश शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्राविधिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,
श्रीनगर गढ़वाल।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 18 जुलाई, 2013

विषय:- 13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत "संयुक्त प्रवेश परीक्षा तथा शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ, देहरादून" (आई.आर.डी.टी. सेल) के भवन निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृत करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक संयुक्त सचिव, प्रशिक्षण अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद कैम्पस, रा0पा0 आमवाला परिसर, देहरादून के पत्र संख्या-09/ आई0आर0डी0टी0/भवन/2012-13, दिनांक 25.10.2012, के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 13वें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान से "संयुक्त प्रवेश परीक्षा तथा शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ, देहरादून के भवनों के निर्माण हेतु टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत आंगणन सिविल कार्य हेतु ₹1104.38 लाख एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों हेतु ₹385.00 लाख अर्थात् कुल ₹1489.38 लाख (रुपये चौदह करोड़ उन्नब्बे लाख अड़तीस हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये, प्रथम, किश्त के रूप में ₹400.00 लाख (रुपये चार करोड़ मात्र) की धनराशि के व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) प्रस्तावित योजना के निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लागत वृद्धि स्वीकार्य नहीं होगी, इस हेतु कार्यदायी संस्था के साथ अनुबन्ध करते हुये, इसे मार्च-2015 तक पूर्ण करा लिया जायेगा। निर्माण कार्यों को बिना लागत में वृद्धि के स्वीकृत दरों पर पूर्ण कराया जाय।
- (2) प्रकरणाधीन कार्य हेतु 13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत संस्तुत धनराशि ₹1307.51 लाख के अन्तर्गत देहरादून में निर्माण कार्यों को पूर्ण कराया जायेगा। उक्त प्रस्तावित कार्य हेतु उक्त संस्तुत अनुदान से अधिक लागत की स्थिति के दृष्टिगत अवशेष धनराशि प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा अपने संसाधनों से वहन करेगा तथा इस हेतु राज्य सरकार से कोई धनराशि की मांग नहीं की जायेगी।
- (3) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (4) कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा, जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (5) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जायेगा।

क्रमशः 2.....

- (6) कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भौति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाये।
- (7) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (8) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनदेश सं०-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.06 द्वारा निर्गत ओदशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (9) कार्यों का सम्पादन एवं धनराशि व्यय करने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के सुसंगत प्राविधानों की परिपालना सुनिश्चित की जाए। साथ ही वित्त विभाग के निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था के साथ एम०ओ०यू० भी हस्ताक्षर कर लिया जायेगा।
- (10) कार्य के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008, दिनांक 15.12.2008 अनुसार निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम०ओ०यू० अवश्य कर लिया जायेगा।
- (11) अवमुक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने तथा कार्य की सन्तोषजनक प्रगति आख्या प्राप्त होने के उपरान्त ही अगली किश्त अवमुक्त की जायेगी।
- (12) उक्त धनराशि नियमानुसार आहरित कर प्रश्नगत कार्य हेतु सम्बन्धित निर्माण इकाई को कार्य की प्रगति के आधार पर समय-समय पर उपलब्ध करायी जायेगी।
- (13) प्रश्नगत कार्य की निरन्तर समीक्षा कर प्रगति आख्या प्रत्येक माह शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- (14) प्रश्नगत कार्य के गुणवत्ता परीक्षण का कार्य नियोजन विभाग द्वारा चयनित संस्थाओं से कराये जाने हेतु प्रस्ताव नियोजन विभाग को भेजा जायेगा। उक्त कार्यवाही समयबद्धता के आधार पर सुनिश्चित की जायेगी। उक्त के सम्बन्ध में आने वाला व्ययभार कार्यदायी संस्था को देय सेन्टेज चार्ज के सापेक्ष वहन किया जायेगा।

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2013-14 के अनुदान संख्या-11 के के अन्तर्गत "लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-02-तकनीकी शिक्षा-104-बहुशिल्प-0102-13वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत उत्तराखण्ड तकनीकी शिक्षा बोर्ड रुड़की का स्तरोनयन-24-वृहत निर्माण कार्य मद" के नामें डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-47(P)/XXVII(3)/2013-14 दिनांक 16 जुलाई, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

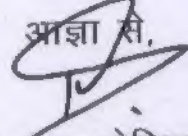
भवदीय,

(राकेश शर्मा)
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग), नई दिल्ली।
3. उप सचिव, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, देहरादून।
6. सचिव, उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद, रुड़की (हरिद्वार)।
7. संयुक्त सचिव, प्रशिक्षण अनुसंधान विकास प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद, कैम्प रा0पा0 आमवाला परिसर, देहरादून।
8. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. कोषाधिकारी, उप कोषागार, श्रीनगर (गढ़वाल)।
10. परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम देहरादून।
11. वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग।
12. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(ए.एस.टोलिया)
अनु सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20132014

Secretary, Technical Education (S051)

आवंटन पत्र संख्या - 650/XLI-1/2013-39/08 TC

अनोटमेंट आई डी - S1307110116

अनुदान संख्या - 011

आवंटन पत्र दिनांक - 18-Jul-2013

HOD Name - Director Technical Education (4110)

लेखा शीर्षक: 420 - शिक्षा खेल कला तथा संस्कृति पर पूंजीगत परियोजनाएँ 02 - तकनीकी शिक्षा
104 - बहुशिक्षण 01 - केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र पुरोनिर्धारित योजनाएँ
02 - 13वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत उत्तरावधन

Plan Voted

मान - मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
14 - बजट विवरण - 01	20000000	40000000	60000000
	20000000	40000000	60000000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

40000000